Experts inspect stepwells for renovation

Architects along with officials concerned conduct inspection of ancient stepwells in Ujjain on Friday FP PHOTO

FP NEWS SERVICE
Ujjain

Hyderabad's architects Kalpana Ramesh and Sharad Chandra embarked on a journey to revive and enhance the cultural significance of the ancient stepwells of the city.

The initiative, in partnership with the Smart City Ujjain administration, witnessed the participation of Smart City executive director Raushan Kumar Singh, superintending engineer, Neeraj Pandey, Dr Nihal Singh from the botany department of Vikram University and officials of the department of public health engineering and Ujjain Municipal Corporation among others.

The expedition delved into the potential restoration prospects of several iconic stepwells viz Modi ka Chopda, the stepwells at Harsiddhi Temple and Vishnusagar Lake. Renowned for their architectural grandeur and historical significance, these stepwells have long held a pivotal role in Ujjain's cultural tapestry. The visit was aimed to unveil a comprehensive plan for the preservation, development and maintenance of these architectural marvels, emphasising the need for sustainable and adaptive measures.

During the subsequent deliberation session, an array of suggestions and strategies were proposed, underlining the significance of preserving the rich heritage while infusing modern elements to enhance their aesthetic appeal and functionality. Architect Kalpana Ramesh presented a detailed documentation of her previous successful conservation projects, providing insights and inspirations for the upcoming restoration endeavours.

निगमायुक्त ने शहर की प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण किया

उज्जैन। उज्जैन शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलेट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जीर्णोद्धार का कार्य होना है। बावडियों के जीर्णोद्धार की कार्य योजना बनाए जाने आयुक्त रौशन कुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसलटेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धी स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया गया। कंसल्टेंट दल के कल्पना रमेश एवं शरदचन्द्र द्वारा बावडियों में पानी आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण संबंधित जानकारी प्राप्त की जिससे बावड़ियों के जीणार्धार की कार्ययोजना बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्टसिटी नीरज पाण्डे, निगम अधीक्षण यंत्री एन.के भास्कर, झोनल अधिकारी मनोज राजवानी, विक्रम विश्व विद्यालय बाटनी विभाग से डॉ. निहाल उपस्थित रहे।

शहर की प्राचीन बावड़ियों के जिर्णोद्धार के लिए किया निरीक्षण

उज्जैन, (निप्र)। शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जीर्णोद्धार किया जाएगा। बावड़ियों के जीर्णोद्धार की कार्य योजना बनाए जाने हेतु निगमायुक्त रोशन कुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसलटेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चोपड़ा, हरसिद्धी स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का निरीक्षण किया गया। कंसलटेंट दल के कल्पना रमेश एवं श्री शरदचंद्र द्वारा बावडियों में पानी आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण संबंधित जानकारी प्राप्त की जिससे बावड़ियों के जीर्णोद्धार की कार्ययोजना बनाई जा सके।

निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्ट सिटी नीरज पाण्डे, निगम अधीक्षण यंत्री एन.के भास्कर, झोनल अधिकारी मनोज राजवानी, विक्रम विवि से डॉ निहाल उपस्थित थे।

हैदराबाद के कंसल्टेंट दल ने किया बावड़ियों का निरीक्षण

28/10

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलेट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जीर्णोद्धार का कार्य होना है। बावड़ियों के जीर्णोद्धार की कार्ययोजना बनाए जाने आयुक्त रोशनकुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसल्टेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धि स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया गया। कंसल्टेंट दल के कल्पना रमेश एवं शरदचन्द्र द्वारा बावड़ियों में पानी आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण संबंधित जानकारी प्राप्त की, जिससे बावड़ियों के जीर्णोद्धार की कार्ययोजना बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्ट सिटी नीरज पांडे, निगम अधीक्षण यंत्री एनके भास्कर, जोनल अधिकारी मनोज राजवानी, विक्रम विश्वविद्यालय बाटनी विभाग से डॉ. निहाल उपस्थित रहे।

हैदराबाद की एजेंसी ने किया शहर के प्राचीन जलस्रोतों का निरीक्षण

उज्जैन की प्राचीन बावड़ियां कहेंगी अपनी कहानी, पर्यटन स्थल बनेंगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा बावड़ी न सिर्फ अति प्राचीन है, बहुमंजिला भी है। इसमें तीन तल का मंदिर बना हुआ है लेकिन इतनी बड़ी धरोहर से शहर के ही कई लोग अपरिचित हैं। सिर्फ मोदी का चौपड़ा ही नहीं, चिंतामण मंदिर की लक्ष्मण बावड़ी, हरसिद्धि मंदिर की बावड़ी जैसी शहर में कई प्राचीन जलराशि हैं जो अपने आप में पूरा इतिहास समेटे हुए हैं। संभव है कि गुमनामी से निकलकर भविष्य में यह पर्यटन का केंद्र बनेंगी।

संरक्षण के लिए योजना बनाएंगे

शहर की प्राचीन बावड़ियों व अन्य प्रमुख जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन को लेकर हैदराबाद के कंसल्टेंट की टीम शहर आई है। शुक्रवार को दल ने निगमायुक्त रौशन कुमार सिंह के साथ शहर की कुछ प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण किया। पायलट प्रोजेक्ट के लिए दल ने गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धि स्थित बावड़ी और विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया। दल के शामिल कंसर्वेशन विशेषज्ञ कंसल्टेंट कल्पना रमेश और शरदचन्द्र ने बावडियों में पानी की आवक, उनके निर्माण आदि के बारे में कई सवाल पूछे। दल ने विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी चाही है जिसके आधार पर उक्त जल स्रोतों के कंजर्वेशन के लिए प्लान तैयार कर प्रस्तुत करेगा। निरीक्षण में नगर निगम अधीक्षण यंत्री एनके भास्कर, जोनल अधिकारी मनोज राजवानी, विक्रम विश्व विद्यालय बाटनी विभाग से डॉ. निहाल व स्मार्ट सिटी एसइ मौजूद थे।

बावड़ी का निरीक्षण कर जानकारी लेते विशेषज्ञ।

कंजर्वेशन पर कार्य करती है एजेंसी

हैदराबाद से आए कंसल्टेंट जलराशियों के कंजर्वेशन पर प्रमुख रूप से कार्य करते हैं। उक्त एजेंसी ने राष्ट्रपति भवन स्थित बावड़ी का भी कंजर्वेशन किया है। शहर में कई ऐतिहासिक बावड़ियां हैं, जिनकी रचना अद्भुत है। यह शहर की प्राचीनता का प्रमाण देने के साथ ही पर्यटन का स्थल भी हैं। कंजर्वेशन के जरिए इन धरोहरों का सही उपयोग करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

दल ने ये जानकारियां मांगी

- बावड़ी या जलराशि कितने वर्ष पुरानी है।
- किसके द्वारा, किस काल में निर्मित कराई गई।
- पानी आने का माध्यम क्या है।
- वर्तमान में क्या उपयोग है।
- भविष्य में क्या उपयोग कर सकते हैं।
- अन्य विशेषताएं।

पहले स्मार्ट सिटी भी करवा चुकी है सफाई

शहर के कुएं-बावड़ियों के संरक्षण को लेकर पहले भी प्रयास हुए हैं। इन प्रयासों में अब तक सफाई, मरम्मत जैसे कार्य किए गए हैं। कुछ वर्ष पूर्व ही स्मार्ट सिटी कंपनी ने करीब दो करोड़ रुपए की लागत का प्रोजेक्ट बनाया था। इसमें करीब 60 जलस्रोतों के जीर्णोद्धार का कार्य जोधपुर के ठेकेदार को दिया गया था।

शहर में कई प्राचीन कुएं, बावड़ी व अन्य जलस्रोत हैं। इनके कंजर्वेशन करने की योजना है ताकि सरंक्षण के साथ ही पर्यटन से भी इन्हें जोड़ा जा सके। इसके लिए कंजर्वेशन विशेषज्ञों की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया है। दल ने कुछ जानकारी चाही हैं, जिनके आधार पर वे प्रोजेक्ट तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। प्रोजेक्ट देखने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

रौशनकुमार सिंह, निगमायुक्त

हैदराबाद से आए दल के साथ निगमायुक्त सिंह ने किया उज्जैन की प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण

उज्जैन। शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जीर्णोद्धार कार्य होना है। इसकी कार्ययोजना बनाए जाने के लिए निगम आयुक्त रोशन कुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसल्टेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धि स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया गया। कंसल्टेंट दल के कल्पना रमेश एवं शरदचंद्र ने बावड़ियों में पानी की आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण संबंधी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्ट सिटी नीरज पांडे, निगम अधीक्षण यंत्री एनके भास्कर, जोनल अधिकारी मनोज राजवानी, विक्रम विवि बाटनी विभाग से डॉ. निहाल उपस्थित रहे।

हैदराबाद से आए कन्सल्टेंट दल के साथ आयुक्त ने किया शहर की प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण

उज्जैन नगर प्रतिनिधि। उज्जैन शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जीर्णोधार का कार्य होना है। बावडियों के जीर्णोधार की कार्य योजना बनाए जाने आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसलटेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धी स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया गया। कंसल्टेंट दल के श्रीमती कल्पना रमेश एवं श्री शरदचन्द्र द्वारा बावडियों में पानी आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण सम्बंधित जानकारी प्राप्त की जिससे बावड़ियों के जीर्णाधार की कार्ययोजना बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्टसिटी श्री नीरज पाण्डे, निगम अधीक्षण यंत्री श्री एन.के भास्कर, झोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, विक्रम विश्व विद्यालय बाटनी विभाग से डॉ. निहाल उपस्थित रहे।

हैदराबाद से आए कन्सल्टेंट दल के साथ आयुक्त ने किया शहर की प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण

उज्जैन, माधव एक्सप्रेस। उज्जैन शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलेट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जीणोर्धार का कार्य होना है। बावडियों के जीणोर्धार की कार्य योजना बनाए जाने आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसलटेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धी स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया गया। कंसल्टेंट दल के श्रीमती कल्पना रमेश एवं श्री शरदचन्द्र द्वारा बावडियों में पानी आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण सम्बंधित जानकारी प्राप्त की जिससे बावड़ियों के जीणार्धार की कार्ययोजना बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्टसिटी श्री नीरज पाण्डे, निगम अधीक्षण यंत्री श्री एन.के भास्कर, झोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, विक्रम विश्व विद्यालय बाटनी विभाग से डॉ. निहाल उपस्थित रहे।

हैदराबाद से आए कन्सल्टेंट दल के साथ आयुक्त ने किया शहर की प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण

उज्जैन। उज्जैन शहर की प्राचीन बावड़ियों का पायलेट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जीर्णोधार का कार्य होना है। बावडियों के जीर्णोधार की कार्य योजना बनाए जाने आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा हैदराबाद से आए कंसलटेंट के साथ गीता कॉलोनी स्थित मोदी का चौपड़ा, हरसिद्धी स्थित बावड़ी तथा विष्णुसागर का स्थल निरीक्षण किया गया। कंसल्टेंट दल के श्रीमती कल्पना रमेश एवं श्री शरदचन्द्र द्वारा बावडियों में पानी आवक की जानकारी के साथ ही उनके निर्माण सम्बंधित जानकारी प्राप्त की जिससे बावड़ियों के जीर्णाधार की कार्ययोजना बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री स्मार्टसिटी श्री नीरज पाण्डे, निगम अधीक्षण यंत्री श्री एन.के भास्कर, झोनल अधिकारी श्री मनोज राजवानी, विक्रम विश्व विद्यालय बाटनी विभाग से डॉ. निहाल उपस्थित रहे।